



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 61+3 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 61+3 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 1082039

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : SHIVAM AGARWAL

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

HINDI

तारीख
Date

27-08-2023

**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)**

केंद्र
Centre **BHAI JOGA SINGH
PUBLIC SCHOOL, KAROL
BAGH, NEW DELHI-110005**

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
<p>परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)</p>	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					



VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION,

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बारह प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH**.

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

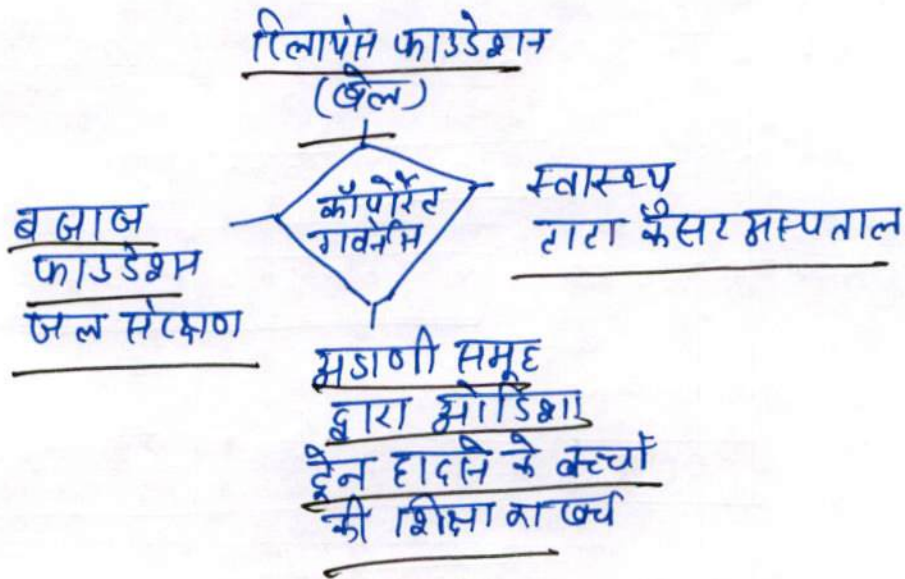
1. (a)

आगामी वर्षों में प्रभावी कॉर्पोरेट गवर्नेंस को लागू करने के लिए, ESG (पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस) मैट्रिक्स को बहु-हितधारक दृष्टिकोण के साथ एकीकृत करना क्यों महत्वपूर्ण है? ऐसे एकीकरण से क्या लाभ हो सकते हैं? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

For effective corporate governance to take place in the coming years, why is it important to integrate the ESG (Environmental, Social, and Governance) metrics with the multi-stakeholder approach? What benefits can be accrued by such integration? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हार्फिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कॉर्पोरेट गवर्नेंस के अंतर्गत किसी कंपनी को चलाने के तरीके, सिद्धांत तथा निर्देश माते हैं जिसमें अनिवार्यतः नैतिकता के पक्ष को शामिल किया जाता है।



प्रभावी कॉर्पोरेट गवर्नेंस के लिए ESG को बहु-हितधारक दृष्टिकोण के साथ एकीकृत करना महत्वपूर्ण क्यों?

- 1) इससे पर्यावरणीय, सामाजिक मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता का निर्माण जिससे उचित कार्यवाई संभव।

३) कॉर्पोरेट गवर्नेंस को सभी हितधारकों के साथ
जोड़ने में मदद मिलेगी

जैसे - राता समूह ने भावारा कुतों के लिए शौलर
हाउस का निर्माण किया है

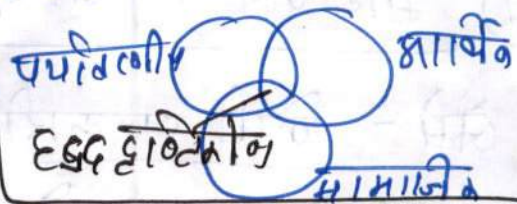
३) CSR के माहपस से इस्टीशिए सिद्धांत को माथिक
प्रोत्साहन

जैसे एकीकरण के लाभ

१) इससे वंचित वर्गों के साथ - साथ पर्यावरण भी
सरकारी नीतियों व गवर्नेंस का हिस्सा बनेगा

२) इससे पर्यावरणीय - माथिक - सामाजिक दृष्टिकोण
में एक समन्वयकारी दृष्टिकोण विकसित होगा

३) नीति निर्माण व निपानप्रत माथिक प्रभावी



कॉर्पोरेट गवर्नेंस को
कानून की जगह नैतिकता से जोड़कर देखा जाना
चाहिए जिससे सतत व समावेशी विकास की बला मिले।

1. (b)

भ्रष्टाचार के कृत्यों में, मुख्य ध्यान केवल इसके मांग पक्ष अर्थात् निजी लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने वाले सार्वजनिक अधिकारियों पर होता है। वहीं प्रायः आपूर्ति पक्ष पर कम ध्यान दिया जाता है। वे लोग जो रिश्त देते हैं उन्हें कभी-कभी निर्दोष पक्षकार और चालाक लोक सेवकों की जबरन वसूली क्रिया के शिकार के रूप में चित्रित किया जाता है। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि 'मिलीभगत से संचालित भ्रष्टाचार', जिसमें स्वेच्छा से रिश्त देने वाला भी शामिल होता है, भ्रष्टाचार से निपटने वाली संस्थाओं के लिए एक विकट चुनौती है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In acts of corruption, the focus is often only on the demand side of the equation, on public officials who abuse their office for private gain. Frequently, the supply side is given less attention. Those who pay bribes are sometimes depicted as innocent parties and victims of extortionary practices of wily public servants. Do you agree that 'collusive corruption', in which there is a willing bribe-giver, is a formidable challenge for institutions fighting corruption? (Answer in 150 words)

10

किसी लोक सेवक द्वारा मनाधिकृत लाभ, उपहार आदि के लालच में अपने पद की शक्तियों का दुरुपयोग करना भ्रष्टाचार कहलाता है।

ग्रोसपैटेली इंटरनेशनल - भारत की रैंक - 85

भ्रष्टाचार से निपटने हेतु चुनौतियाँ

1) मांग पक्ष से संबंधित

जैसे - किसी सरकारी कार्यालय में कोई सर्टिफिकेट बनवाने के लिए अधिकारी द्वारा रिश्त माँगना

• किसी व्ही कार्प को करने के लिए धन माँगना

2) मापूर्ति पक्ष से संबंधित

मूर्धन्य सपना काम करवाने के लिए खुद से
रिश्वत को देना।

जैसे - सपने काम को जल्दी करवाने के लिए
सरकारी कार्यालयों के बाबुओं को पैसे देना

दोनों ही कारणों से भ्रष्टाचार की समस्या की
चुनौती उत्पन्न होती है।

समाधान ① भ्रष्टाचार निवारण रोकथाम अधिनियम

1988 के तहत रिश्वत मांगने वाले के साथ-
साथ रिश्वत देने वाले को भी भ्रष्टाचार का
भारोपी मानना चाहिए

TIARC

P.C. होना समिति (2004) ने

भ्रष्टाचार के समाधान हेतु क्लेक्टोरेसी को
निर्धारित करने की आवश्यकता पर बल दिया
था।

2. (a) नागरिक चार्टर पहल उन समस्याओं के समाधान हेतु दीर्घकाल से जारी खोज की प्रतिक्रिया थी, जिनका सामना एक नागरिक को सावजनिक सेवाएं प्रदान करने वाले संगठनों के साथ जुड़ते समय प्रतिदिन करना पड़ता था। लेकिन भारत सरकार में नागरिक चार्टर की शुरुआत और कार्यान्वयन पुरानी नौकरशाही व्यवस्था एवं कार्यबल के कठोर रवैयें के कारण मुश्किल रहा है। नागरिक चार्टर पहल को लागू करने में आने वाली प्रमुख बाधाओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The Citizens' Charters initiative was a response to the quest for solving the problems, which a citizen encountered, day in and day out, while dealing with the organisations providing public services. But the introduction and implementation of Citizens' Charters in the government of India has been difficult due to the old bureaucratic set up and the rigid attitudes of the work force. Discuss the major obstacles that have been encountered in implementing the Citizens' Charter initiative. (Answer in 150 words)

10

नागरिक चार्टर के तहत सरकार का संस्था

नागरिकों को एक प्रतिबद्धता सूची प्रदान करेगी जो लोक सेवाओं की प्रदायगी से जुड़ी होती है और जिसके पूरा न होने पर क्षतिपूर्ति या जुर्माने का स्पष्ट प्रावधान होता है।

नागरिक चार्टर का महत्व -

- 1) सेवा प्रदाय की गुणवत्ता में वृद्धि
- 2) जन केंद्रित शासन को बढ़ावा (II ARC. (12)th रिपोर्ट)
- 3) जन जागरूकता में वृद्धि
- 4) संस्थाओं की जवाबदेहिता में वृद्धि

बाधाएँ

- ① नौकरशाही का स्थायी आधारित ऋण

- ② नागरिक चार्टर को सभी संगठनों में आनेवाए रूप से लागू न किया जाना
- ③ पूरा न होने पर कोई क्षतिपूर्ति नहीं जिस कारण सिटीजन चार्टर का उद्देश्य ही असफल
- ④ कार्यबल का उत्तरदायित्व न समझना बल्कि कठोर रवैया अपनाना
- ⑤ भाषा संबंधी बाधाएँ एवं तकनीकी चुनौतियाँ

सुझाव - II ARC ने निम्न सुझाव दिए हैं:

- 1) नागरिक चार्टर स्पष्ट व लचीला हो
- 2) बहुभाषी होना चाहिए
- 3) अधिकारियों की जबाबदेही सुनिश्चित करने हेतु बुराने की कठोर व्यवस्था

सिटीजन चार्टर को प्रभावी बनाकर ही नागरिक केन्द्रित शासन सुनिश्चित किया जा सकता है (2nd ARC)

2. (b)

सार्वजनिक सेवा वितरण की गुणवत्ता वर्ग, जाति, धर्म आदि के आधार पर विभाजित अत्यधिक विषमतापूर्ण समाज में कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता का एक प्रमुख निर्धारक है। इस पृष्ठभूमि में, क्या आपको लगता है कि भारत में कमजोर वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सार्वजनिक सेवा वितरण कुशल और पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Quality of public service delivery is a major determinant of the quality of life of vulnerable sections in a highly unequal society divided along the lines of class, caste, religion, etc. In this background, do you think that public service delivery is efficient and sufficient enough to improve the lives of vulnerable groups in India? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

सार्वजनिक सेवा वितरण का तात्पर्य है कि सरकार की योजनाओं का लाभ प्रत्येक वंचित वर्ग तक पहुँच सके और यदि इस प्रक्रिया में कोई बाधा हो तो सरकार के पास प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र की व्यवस्था हो।

भारत में सार्वजनिक सेवा वितरण का विश्लेषण

लाभ-

1) समाज के वंचित वर्गों को विकास की सुव्यवस्था में शामिल करना

eg. [PDS] प्रणाली से समाज बाँटना

2) सेवा प्रदाय की गुणवत्ता में सुधार करना

3) आर्थिक - राजनीतिक व सामाजिक न्याय

(संविधानकी प्रस्तावना) को सुनिश्चित करना

चुनौतियाँ

- 1) Exclusion व Inclusion Error, तथा
(25%) (61%)
लाभार्थियों के पहचान की समस्या
- 2) भ्रष्टाचार व लीकेज का होना (जैसे हाल ही
में PMJAY के तहत मृत व्यक्तियों के नाम पर
न करीज जारी)
- 3) प्रभावी शिकायत निवाण तंत्र का अभाव

भागैकी राह - e-गवर्नेस को प्रोत्साहन
(जैसे - DBT प्रणाली)
जागरूकता व क्षमता निर्माण

प्रभावी शिकायत निवाण
तंत्र व पाब्लिक शिकायत निवाण अधिकारी
की त्वरित नियुक्ति की जानी चाहिए।

(II ARC)

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a) "बुद्धिमान व्यक्ति अपने धन का संचय नहीं करता है। जितना अधिक वह दूसरों को देता है, उतना ही अधिक उसके पास अपने लिए होता है।" - लाओत्से (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The wise man does not lay up his own treasures. The more he gives to others, the more he has for his own." - Lao Tzu (Answer in 150 words)

10

उपरोक्त कथन दया व दान आधारित दृष्टिकोण के संदर्भ में है। जहाँ दूसरों की भलाई करने के लिए धन के प्रयोग की बात की गई है।

बुद्धिमान व्यक्ति द्वारा धन का उपयोग कैसे?

1) दूसरों की भलाई पर धन को खर्च करना बेहतर मानते हैं।

जैसे - तरवर फल नहीं खाते हैं, सरवर पिपाहें न पान।

कहाँ रहीम पर रहित ही, संपत्ति संचयि सुजान।

अर्थात् फल स्वयं नहीं खाते और नदिपों अपना

पानी स्वयं नहीं पीती। इसी प्रकार सज्जन

व बुद्धिमान लोग दूसरों की भलाई के लिए

धन एकत्रित करते हैं।

- 2) परोपकार की भावना पर बल
3) दूसरों की सेवा करने से उन्हें आत्मसंतुष्टि का भाव पैदा होता है।

जैसे मजीम प्रेमजी का दिपालु इंजीवाड
बिल ग्रेट्स का रचनात्मक प्रोजेक्ट

प्रबंधन का संचय करने से वह किसी के भी काम नहीं आ सकेगा।

- 3) इसका एक पक्ष मितलपता से भी समझा जा सकता है। उतना ही संचय करो उतना आवश्यक हो।

एह सिद्धांत महात्मा

गांधी के इस्वीशीप सिद्धांत के समतुल्य
दिखाई देता है।

3. (b)

"यदि शीर्ष पर अपर्याप्त नैतिकता है, तो इस व्यवहार का संगठन में उच्च से निम्न स्तर तक अनुसरण होता है।"

- रॉबर्ट नॉयस (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"If ethics are poor at the top, that behavior is copied down through the organization." - Robert Noyce (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

नैतिकता हमारे आचार-व्यवहार के निर्धारिक सिद्धांत हैं जो किसी कार्य के सही-गलत, उचित-अनुचित होने का ज्ञान देते हैं।

जैसे - संगठन में अपनी कंपनी के हितों को अधिक महत्त्व देना

उपरोक्त कथन अनैतिक आचरण की Top to Bottom एप्रोच को व्यक्त करता है।

1) यदि संगठन के शीर्ष अधिकारी भ्रष्ट होंगे तो नीचे के अधिकारी भी भ्रष्टाचार करेंगे।

2) उच्च स्तर के अधिकारियों के आचरण का अनुसरण ही निम्न स्तर पर किया जाता है।

जैसे - ICICI बैंक की पूर्व अध्यक्ष चंदा कोचर

द्वारा अपने पाते के व्यावसायिक हितों के लिए
videocon कंपनी के ऋण को मंजूरी देना



जाँच करने पर यह सामने आया कि पूरे
संगठन के स्तर पर अनैतिकता विद्यमान थी।

3) कॉर्पोरेट शासन हो या सरकारी शासन
नैतिकता से अच्छी कार्य संस्कृति उत्पन्न होती है।

जैसे - क्रिणा बेदी ने तिहाड़ जेल की कार्य
संस्कृति में नैतिकता को शामिल किया जिससे

पूरा संगठन लंबावद है

निष्कर्षतः गांधी जी

ने भी अपने 7 पाप की अवधारणा में नैतिकता

के बिना व्यापार को पाप की संज्ञा दी है

3. (c)

"कानून का उद्देश्य स्वतंत्रता को समाप्त करना या सीमित करना नहीं है, बल्कि इसे संरक्षित करना और बढ़ाना है।" - जॉन लॉक (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The end of law is not to abolish or restrain, but to preserve and enlarge freedom." - John Locke
(Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

विधायिका द्वारा बनाये गये निपटों को कानून कहते हैं जिनके उल्लंघन पर कानूनी दंड का प्रावधान होता है।

कानून का उद्देश्य

स्वतंत्रता को समाप्त या सीमित करना नहीं

जैसे - पर्यावरण संरक्षण अधि, 1986

किसी की स्वतंत्रता को कम करने का उद्देश्य नहीं है।

अपितु वन्यजीवों के अधिकारों की रक्षा हेतु पारित

→ श्रीन्द्रनाथ वैगौर ने कानून के महत्व को बताया है -

"मिट्टी के बंधन से मुक्ति पेंड के लिए स्वतंत्रता नहीं है।"

स्वतंत्रता को संरक्षित करना और बढ़ाना

• अर्थात् समाज के सभी वर्गों के हितों की सुरक्षा करना

• कल्याणकारी राज्य को स्थापित करना

जैसे- कार्यस्थल पर महिला प्रॉन प्रोवेंशन (शेनथामे)
अधिनियम, 2013 (POSH Act, 2013)

इसका उद्देश्य
सिखी भी वर्ग के
अधिकारों को सीमित
करना नहीं है

बल्कि महिलाओं
को अवसरों की
समानता (मिनुगैप)
के अधिकार से
जोड़ना है

इस प्रकार कानून

स्वतंत्रता को सकारात्मक अर्थों में संरक्षित
रखने का प्रयास करते हैं जिससे प्रस्तावना
में बांटे (सामाजिक - आर्थिक - राजनीतिक - धार्मिक)
की प्राप्ति हो सके।

4. (a)

दुनिया भर में अमीर CEOs और सफल व्यवसायों के संस्थापक तेजी से अपनी संपत्ति परोपकार के लिए दान करने का वादा कर रहे हैं। क्या आपको लगता है कि ऐसा कदम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Wealthy CEOs and founders of successful businesses around the world are increasingly pledging to give away their wealth in philanthropy. Do you think that such a move is sufficient enough to bring about a positive change in the society? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हार्डिप में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

परोपकार का अर्थ है - अपनी सामाजिक -

आर्थिक - राजनीतिक जिम्मेदारियों को निभाते

हुए दूसरों के हितों की रक्षा करना

जैसे - 1) अमीर व्यक्तियों द्वारा अपनी संपत्ति को दान दे देना

2) हाल ही में ओडिशा ट्रेन हादसे के बाद मडानी ने मनाष बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाया है।

इस कदम से समाज में बदलाव
प्राप्त कैसे?

1) यदि सभी व्यक्ति अपनी-अपनी दायित्व अनुसार अपनी जिम्मेदारी निभायें तो वंचित वर्गों को लाभ

जैसे - परिवार द्वारा दीवाली के दौरान गरीबों

को कपड़े दान करना

2) इससे समाज में नैतिकता के मूल्यों की स्थापना होती है।

प्राप्ति नहीं है कभी

1) केवल अमीर लोगों द्वारा ऐसे प्रयास करना प्राप्ति नहीं है क्योंकि असमानता अधिक
(Oxfam Report केवल Top 1% अमीरों के पास कुल संपत्ति का आधे से अधिक हिस्सा)

2) कुछ लोग इसे सामाजिक सम्मान या दिखावे के उद्देश्य से करते हैं।

जैसे- मशीनों को कोई चीज देकर अपना जादूखीचकर सोशल मीडिया पर डालना

निष्कर्षतः भारतीय

संस्कृति में निहित. परंपरा के मूल्य को यदि सभी लोगों ध्यान कर लें तो असमानता में कमी की जा सकती है।

4. (b)

चूंकि दुनिया भर के संगठन अपना कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) रूपांतरण आरंभ कर रहे हैं, इसलिए AI युग में छलांग ऐसी किसी भी तकनीक की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है, जिससे व्यवसायों को अभी तक जूझना पड़ा है। इस पृष्ठभूमि में, निष्पक्षता, पारदर्शिता और नौकरी की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As organizations across the globe begin their artificial intelligence (AI) transformation, the leap into the AI era is expected to be more challenging than any technology that businesses have grappled with yet. In this background, discuss the concerns around fairness, transparency, and job security that may arise. (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हॉल ही में माइक्रोसॉफ्ट के चैटबॉट ले
ने ट्विटर पर आपत्तिजनक नस्लवादी कमेंट
प्रसारित करना शुरू कर दिया जिससे AI तकनीक
पर खवाल उठने शुरू हो गई है।

AI तकनीक का लाभ-

- 1) कार्य को सल्दी से पूरा करना (जैसे -
खेली का कार्य- कटाई, बुमाई)
- 2) संगठनों की कार्यक्षमता को बढ़ाना
- 3) मनुष्यों से अधिक स्वनात्मक व प्रभावी कार्य
जैसे - ChatGPT

चिंताएँ

निष्पक्षता से जुड़ी चिंताएँ

AI तकनीक पूर्वाग्रही हो सकती है जिससे

लोगों के साथ भेदभाव को बढ़ावा मिल सकता है।
जैसे- deep fake तकनीक द्वारा अश्वेत लोगों
के साथ भेदभाव

पारदर्शिता से जुड़ी चिंता

AI तकनीक पर अपारदर्शी होने के मामले
सामने आते हैं।

जैसे- राजनीतिक दलों द्वारा AI के प्रयोग
से मतदाताओं की political profiling करना।

नौकरी की सुरक्षा

AI के आने से विभिन्न अकुशल लोगों को
अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ सकता है।

जैसे- मीत्रि माफोग- लगभग 10 करोड़ अकुशल
प्रानियों की नौकरी खतरे में।

इसलिए AI को पारदर्शी
निष्पक्ष व संवेदनशील बनाने की आवश्यकता है
तभी # AI for all का लक्ष्य प्राप्त हो सकेगा।

5. (a)

शिक्षा) सामाजिक समानता और नैतिक मूल्यों पर स्वामी दयानंद सरस्वती का बल समकालीन भारत में भी सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श को प्रभावित करता है। उपयुक्त उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The emphasis of Swami Dayanand Saraswati on education, social equality, and ethical values continues to influence the socio-cultural discourse in contemporary India. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस ह्रासिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

स्वामी दयानंद सरस्वती को माधुनिक भारत का पितामह कहा जाता है क्योंकि उनकी शिक्षाएँ वर्तमान समाजमें भी प्रासंगिक बनी हुई हैं।

शिक्षा पर बल

i) शिक्षा को व्यवहारिक व रोजगार माध्यामित बनाने पर ध्यान

वर्तमान में PLFS के अनुसार- भारत की बेरोजगारी दर लगभग 4.2% है।

ii) शिक्षा के माधुम से चरित्र निर्माण पर बल

सामाजिक समानता

i) समाज के सभी वर्गों के बीच समानता

स्थापित करने पर बल

- ii) हुमाकृत, जाति-पाति, भेदभाव की मालोचना
वर्तमान समाज में सोप्रदायिक ढंगों (जैसे - हाल
ही में हरियाणा के नूट में) को नियंत्रित करने में
उपयोगी

नैतिक मूल्यों की स्थापना

- i) कृष्णा, परोपकार, ल्याग जैसे मूल्यों
पर बल
भं) शांति, सहभाव व सहिष्णुता के मूल्य
वर्तमान में रूस - यूक्रेन युद्ध के परिप्रेक्ष्य
में शांति व सहिष्णुता का मूल्य प्रासंगिक है।

इस प्रकार दधानंद

सरस्वती की शिष्या वसुधैव कुटुम्बकम्
की आरतीय संस्कृति के दर्शन को व्यक्त
करती हैं।

5. (b)

निम्नलिखित में से प्रत्येक पर 30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
Write short notes on the following in 30 words each :

2 x 5 = 10

- (i) लोक सेवा के प्रति समर्पण
Dedication to public service

लोक अधिकारियों द्वारा अपने कार्य को पूरी
दृढ़ता व लगान के साथ पूरा करने की क्षमता
को लोक सेवा के प्रति समर्पण कहते हैं।

जैसे - माणिक्य के IAS आर्मस्ट्रॉंग पार्से द्वारा
100 किमी सड़क निर्माण

- (ii) लोक सेवा में गैर-पक्षपात
Non-partisanship in civil service

किसी भी राजनीतिक दल, विचारधारा आदि
से लोकजीवन में तटस्थता बनाये रखना ही
गैर-पक्षपात कहलाता है।

जैसे - ए. पी. जे. अबुदुल कलाम, राष्ट्रपति पद
के दौरान गैर-पक्षपाती रहे।

- (iii) निर्णय-निर्माण में वस्तुनिष्ठता
Objectivity in decision-making

निर्णय निर्माण की प्रक्रिया में अपने मूल्यों,
हितों, रुचियों आदि से प्रभावित न होना व
तर्कों एवं तथ्यों को आधार बनाना ही
वस्तुनिष्ठता है।

जैसे - सेना में महिलाओं को स्थायी कमीशन
देना।

- (iv) बहुलवादी समाजों में सहिष्णुता
Tolerance in pluralistic societies

म अपने विरोधियों या मालोचकों को सिर्फ सदन नहीं करना बल्कि उनसे प्रेम करना व उनका सम्मान करना ही सहिष्णुता है।

जैसे - मुकबर द्वारा दीन ए इलाही ^{वापस} चलाना उसकी धार्मिक सहिष्णुता का उदाहरण है।

- (v) लोक सेवा में करुणा
Compassion in public service

दूसरों के दुख के प्रति संज्ञान भर्ति समझने तथा उनके दुःख को महसूस करने की क्षमता तथा प्रयासम्भव उनकी मदद करने का प्रयास करना ही करुणा कहलाता है।

जैसे, हाल ही में ट्रेन हादसे के दौरान सिविल सेवक द्वारा की गई सहायता

2) मदद टैरेसा व बाबा माम्ते (कुछ रोगियों के प्रति करुणा)

6. (a)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता केवल भावनाओं या बुद्धिमत्ता से जुड़ी नहीं हो सकती है। इसमें व्यक्तित्व संबंधी विशेषताओं की एक विस्तृत श्रृंखला भी शामिल हो सकती है जो पेशेवर और रोजमर्रा की जिंदगी में सफलता का पूर्वनिर्धारण कर सकती है। विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Emotional intelligence may not be singularly associated with emotions or intelligence. It can also include a broad range of personality characteristics that might predict success in professional and everyday life. Discuss. (Answer in 150 words) 10

डेनिएल गोलमैन के अनुसार

मपनी तथा दूसरे व्यक्तियों की मनास्थितियों को समझने व उन्हें निपट्रित करने की क्षमता को भावनात्मक बुद्धिमत्ता कहते हैं।

जैसे - महाराष्ट्र के IAS कौशानुभ दिवेगाँइकर का दिव्यांग व्यक्ति से बात करने के लिए फर्श पर नीचे बैठ जाना

भावनात्मक बुद्धिमत्ता में व्यक्तित्व संबंधी विशेषताएँ जो पेशेवर/रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करती हैं

1) रोजमर्रा की जिंदगी में

भावनाओं को निपट्रित करना जिसमें पारिवारिक संबंध मजबूत

जैसे - मपने क्रोध पर निपट्रण करना

लगातार मिल रही सफलताओं से निराशा
न होना बल्कि निरंतर प्रयास करना

2) पेशेवर जीवन में

विपरीत व रुठिन परिस्थितियों में बेहतर
निर्णय लेने की क्षमता

जैसे - अजीत डोभाल का विपरीत परिस्थितियों
के बावजूद प्रशासनिक नेतृत्व

- UP काउंसिल की IAS अधिकारी सोमिया पाण्डे
जिन्होंने कोरोना काल के समय मातृत्व
भ्रवकाश छोड़कर इपूली स्वाइन की

इस प्रकार उभिएपल

गोलमैन ने कहा है - जीवन में सफलता हेतु

हमारी बौद्धिक क्षमता व भावनात्मक बुद्धिमत्ता
का अनुपात 20:80 होता है

6. (b)

राज्य के नेतृत्व वाली जवाबदेही के पारंपरिक रूप, जिन्हें जवाबदेही की ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज प्रणालियों के रूप में भी जाना जाता है, लगातार अपर्याप्त पाई जा रही हैं और उन्हें पूरक या प्रतिस्थापित करने के लिए असंख्य बहु-हितधारक और बॉटम-अप नागरिक निर्देशित दृष्टिकोण सामने आए हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Traditional forms of state-led accountability, also characterised as vertical and horizontal channels of accountability, are increasingly found to be inadequate, and a myriad of multi-stakeholder and bottom-up citizen directed approaches have come to the fore, to supplement or supplant them. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जवाबदेही का तात्पर्य ऐसी स्थिति से ही जिसमें यदि कोई लोक सेवक अपनी विवेकाधीन शक्ति से कोई निर्णय ले तो उस पर स्पष्टीकरण की बाध्यता हो अन्यथा उसे दंड का भागी होना पड़े।

जैसे- मनरेगा में पौंसंपत्तियों की जवाबदेही के लिए सिपी रैगिंग का प्रावधान

राज्य के नेतृत्व वाली जवाबदेही अपर्याप्त थी।

- 1) अहर्वाधा एवं क्षैतिज प्रणालियों में उत्तरदायित्व की भावना का अभाव
- 2) आरोप-प्रत्यारोप (Blame Game) के संबंध

3) कोई भी कानूनी दंड का प्रावधान नहीं
। जिसमें जवाबदेही सुनिश्चित नहीं हो पावी।

असंगत बहु-हितधारक एवं बॉटम अप नागरीक
दृष्टिकोण

1) सोशल मॉडलिंग का प्रावधान (समुदायों
का मिलकर सामने आना तथा चीजराशों की
सिगारानी) जैसे - स्वच्छ खात अभियान

2) Bottom Up दृष्टिकोण - निचले स्तर पर
ही जवाबदेही सुनिश्चित करना

जैसे - दवावसमूह, स्वयं सेवक संघ

3) सभी हितधारकों से मिलकर बना तंत्र -

किसी संगठन की जवाबदेही सुनिश्चित करने हेतु
हितधारक

जैसे - निजी कंपनियों में बने संगठन

निष्कर्ष: IIARC ने

e-गवर्नेंस को जवाबदेही सुनिश्चित करने के
एक प्रभावी उपाय के रूप में बताया है।

7.

भारत के एक महानगरीय शहर में, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने अपनी अपराध-रोधी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक को अपनाने का निर्णय लिया। उन्होंने चेहरे की पहचान की एक प्रणाली लागू की जिसे शहर भर में मौजूदा निगरानी कैमरों के साथ एकीकृत किया गया। इसने व्यक्तियों की रियल टाइम आधारित पहचान और ट्रैकिंग को सक्षम बनाया। इस प्रणाली का उद्देश्य ज्ञात अपराधियों, लापता व्यक्तियों और चल रही जांच में संदिग्धों की पहचान करने में सहायता करना था।

एक शाम, किसी महिला ने लूटपाट की एक घटना की सूचना दी, जहां अपराधी ने एक हुडी पहनी थी, जिससे उसका अधिकांश चेहरा स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा था। पीड़िता ने पुलिस को एक अस्पष्ट विवरण प्रदान किया और उस जानकारी के आधार पर, अधिकारियों ने संभावित संदिग्धों का पता लगाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग करने का निर्णय लिया। सिस्टम ने अपराध स्थल के पास विभिन्न स्थानों से प्राप्त निगरानी कैमरों की फुटेज को गहनता से स्कैन किया।

चेहरे की पहचान एल्गोरिथ्म ने संभावित मिलानों की एक सूची तैयार की और एक व्यक्ति की छवि सामने आई, जो पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए विवरण के साथ मेल खा रही थी। पुलिस ने उस व्यक्ति को मुख्य संदिग्ध माना और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद, यह पता चला कि गिरफ्तार व्यक्ति निर्दोष था। आगे की जांच से पता चला कि चेहरे की पहचान प्रणाली ने प्रौद्योगिकी की सीमाओं और पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए आंशिक विवरण के कारण निर्दोष व्यक्ति की गलत पहचान की थी। पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति को रिहा कर दिया; फिर भी उसकी प्रतिष्ठा जीवन भर के लिए कलंकित हो गई। उसे उसके परिवार सहित, उसके वर्तमान निवास स्थान से बेदखल कर दिया गया था। इस घटना का मनोवैज्ञानिक प्रभाव अत्यधिक गहरा है जिसके कारण उसकी नौकरी भी खतरे में है।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- (a) इस प्रकरण में शामिल मुद्दे कौन-से हैं?
(b) ऐसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?
(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In a metropolitan city of India, the law enforcement authorities decided to adopt facial recognition technology to improve their crime-fighting capabilities. They implemented a facial recognition system that integrated with existing surveillance cameras across the city, allowing real-time identification and tracking of individuals. The system was intended to assist in identifying known criminals, missing persons, and suspects in ongoing investigations.

One evening, a woman reported a mugging incident where the perpetrator wore a hoodie, obscuring most of his face. The victim provided a vague description to the police, and based on that information, the authorities decided to use facial recognition technology to locate potential suspects. The system scanned through hours of surveillance footage from various locations near the crime scene.

The facial recognition algorithm generated a list of potential matches, and one individual's image stood out as a close match to the description provided by the victim. The police considered this individual a prime suspect and proceeded with his arrest. Subsequently, it was discovered that the arrested person was innocent. Further investigation revealed that the facial recognition system had misidentified the innocent individual due to the limitations of the technology and the partial description provided by the victim. The police released the arrested individual; still his reputation got tarnished for life. He, along with his family, was evicted from their current place of residence. The psychological impact of the incident has been tremendous owing to which his job is also on the line.

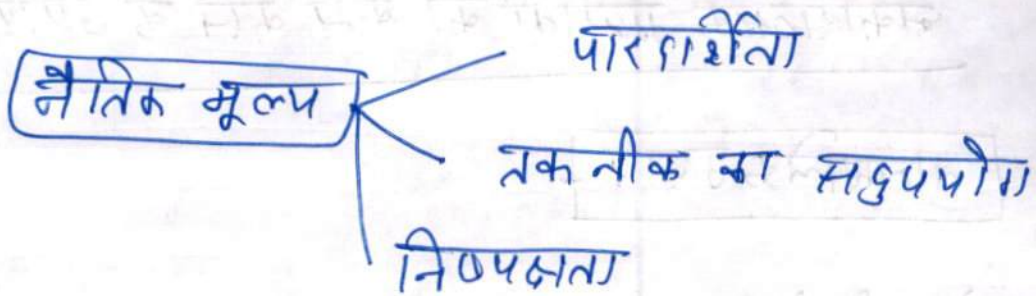
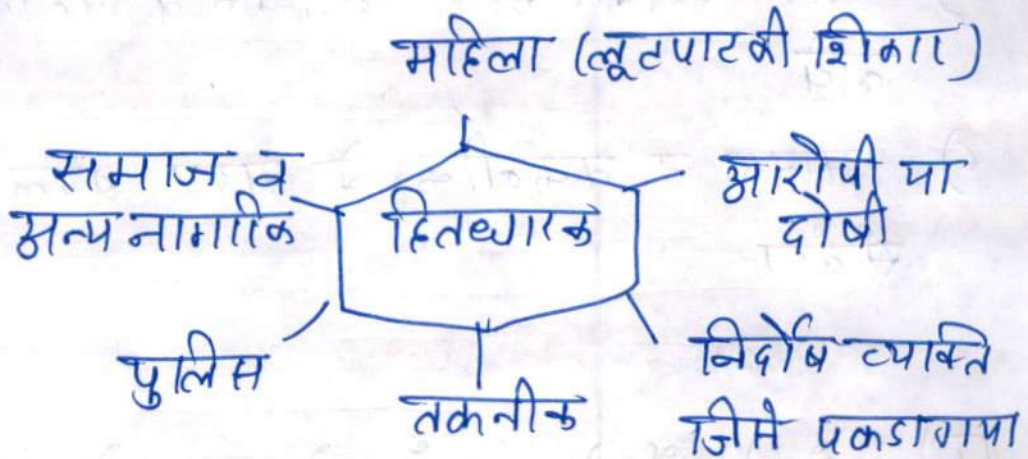
With reference to this case study, answer the following:

- (a) What are the issues involved in this case?
 (b) What measures can be taken to minimize the negative implications of adopting such technologies? (Answer in 250 words)

20

उम्मीदवारों को इस इच्छित में नहीं लिखना चाहिए
 Candidates must not write on this margin

उपरोक्त केस स्टडी तकनीक के कारण व्यक्ति की सामाजिक-मनोवैज्ञानिक दृष्टि खराब होने की घटना पर आधारित है।



(a) इस प्रकरण में शामिल मुद्दे

- १) लूटपाट की घटनाओं का होना
- २) तकनीक के प्रयोग द्वारा अपराधियों का

पता लगाना

- 3) तकनीक की गुणवत्ता का सुदृढ़
- 4) व्यक्ति की निजता, गोपनीयता
- 5) किसी व्यक्ति की सामाजिक व मनोवैज्ञानिक छवि
- 6) मानव व तकनीक के मध्य बदलते संबंध

6) ऐसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के उपाय

तत्कालिक उपाय

- 1) ऐसी तकनीक द्वारा प्राप्त सूचना को मंजूर न मानना बल्कि व्यापक जाँच के बाद किसी व्यक्ति पर कार्यवाही करना
- 2) जहाँ अपराधियों के संबंध में स्पष्ट

प्रमाणन मिल जाएँ तब तक किसी व्यक्ति को
दिरासत में न लेना

3) अपराधियों की पहचान के लिए मनुष्य
उपायों की सहायता लेना जैसे- मास-पास के
लोगों से जानकारी इकट्ठा करना, CCTV
फुटेज का उपयोग, स्कैन निर्माण करवाना आदि।

4) तकनीक को बेहतर बनाने हेतु प्रयास करना

दीर्घकालिक उपाय

1) ऐसी तकनीक का निर्माण करना जिससे
अपराधियों की सही पहचान की जा
सके ; इन तकनीकों में सरकार को वित्तीय
एवं आर्थिक सहायता देनी चाहिए।

2) पहचान हेतु मनुष्य वैकल्पिक साधनों का

विकास करना तथा उपयोग करना

जैसे- गालियों में CCTV फुटेज कैमरे लगवाना

3) साउंड आधारित तकनीक का प्रयोग जिससे अपराधी की फोटो के साथ-साथ उसकी आवाज की भी पहचान की जा सके।

4) जब तक तकनीक के सकारात्मक परिणाम प्राप्त न होने लगे तब तक दीर्घकालिक उद्देश्यों हेतु ऐसे तकनीक को प्रयोग न करना

निष्कर्षतः उभरती

नई प्रौद्योगिकी में R&D में निवेश बढ़ाकर

उन्हें अधिक उन्नत बनाये जाने की

आवश्यकता है।

रीना और उसके कॉलेज के दोस्त पिछले कुछ महीनों से एक कंपनी में इंटरन के रूप में काम कर रहे थे। इंटरनशिप पूरी होने पर रीना समेत उनमें से कुछ को कंपनी में पूर्णकालिक नौकरी की पेशकश की गई है। एक प्रतिष्ठित कंपनी होने के नाते, उसने और उसके दोस्तों ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। रीना अपनी नई नौकरी को लेकर उत्साहित है और उसने अपनी इंटरनशिप के दौरान अपनी कंपनी के कुछ सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध भी स्थापित किए हैं। हालांकि, एक इंटरन के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, रीना ने नोटिस किया था कि कंपनी के वाइस प्रेसीडेंट्स (VPs) में से एक उस पर बहुत अधिक ध्यान दे रहा था। वह रीना के कक्ष में रुकने और बातचीत करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करता था, यह व्यवहार वह किसी अन्य इंटरन के साथ नहीं कर रहा था। उसने सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर भी रीना से जुड़ने की कोशिश की थी। उसके कुछ को-इंटरन ने भी इस पर ध्यान दिया और VP द्वारा दिए जा रहे अतिरिक्त ध्यान के बारे में रीना पर अनाप-शनाप टिप्पणियां करना शुरू कर दिया।

अब जब उसे पूर्णकालिक पद पर नियुक्त कर लिया गया है, तो उसे डर है कि उसे सीधे इस VP के साथ काम करना पड़ सकता है। हालांकि, VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी अनुचित नहीं किया है या कहा है, अतिरिक्त ध्यान दिए जाने और उसके सहकर्मियों द्वारा भी इस पर ध्यान दिए जाने के कारण वह बहुत असहज हो गई और कार्य पर उसकी एकाग्रता कम हो गई।

कंपनी एक खुले और मैत्रीपूर्ण माहौल को प्रोत्साहित करती है और जब उसे काम पर रखा गया था, तो उसे बताया गया था कि जब भी काम से संबंधित किसी भी असुविधाजनक समस्या का सामना करना पड़े तो उसे हमेशा अपने प्रबंधक से बात करनी चाहिए। हालांकि, वह इस बारे में आधिकारिक तौर पर बोलने को लेकर चिंतित है, क्योंकि VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी गलत नहीं किया है।

दी गई स्थिति में:

- रीना को किन दुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है?
- उसके पास क्या विकल्प हैं? प्रत्येक के गुण और दोष बताइए।
- उसके द्वारा अपनाई जाने वाली कार्रवाई को रेखांकित कीजिए, साथ ही उसका औचित्य सिद्ध कीजिए।
(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Rina and her friends from the college were working as interns with a company for the last few months. On completion of their internship, some of them, including Rina, have been offered full-time jobs in the company. Being a reputed company, she and her friends accepted the offer. Rina is enthusiastic about her new job and has even established good relationship with some of her company co-workers during her internship. However, during her tenure as an intern, Rina had begun to notice that one of the Vice-Presidents (VPs) of the company was giving her too much attention. He used to make an extra effort to stop by Rina's cubicle and chat, something he was not doing with any of the other interns. He had even tried to connect with Rina over social networking sites. Some of her co-interns also noticed this and began to make offhand comments to Rina about the extra attention being given by the VP.

Now that she has been hired for a full time position, she is fearful that she might have to work with this VP directly. While he has not done or said anything explicitly inappropriate, the extra attention and the fact that her co-workers noticed it, made her very uncomfortable and undermined her concentration at work.

The company encourages an open and friendly atmosphere and when she was hired, it was communicated to her that she should always speak to her Manager whenever faced with any uncomfortable work related issues. However, she is concerned to speak about it officially, as the VP has not explicitly done anything wrong.

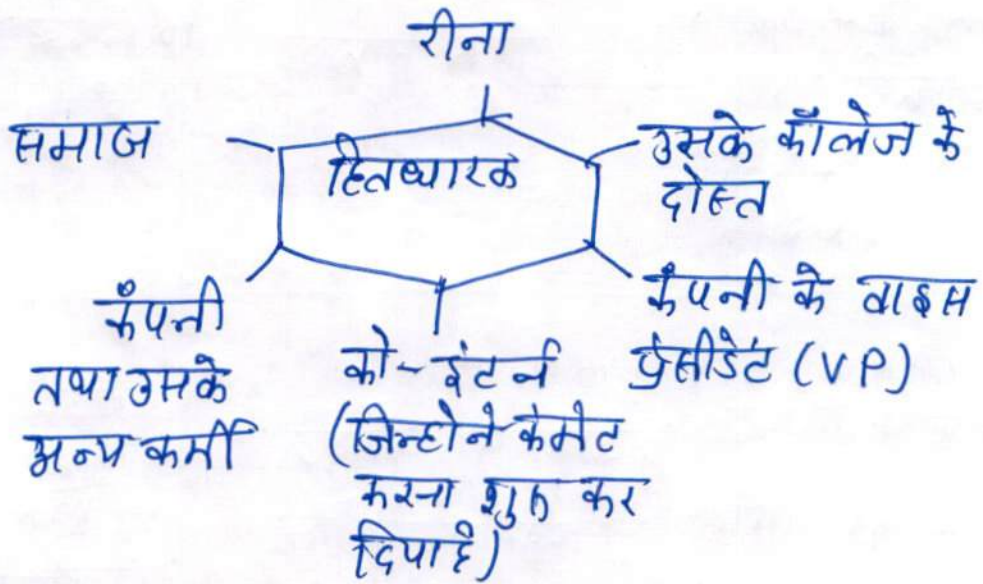
In the given situation:

- (a) What dilemmas does Rina face?
(b) What options does she have? Provide the merits and demerits of each.
(c) Highlight the course of action she should adopt, along with justification for the same.
(Answer in 250 words)

उम्मीदवारों को
इस हार्फ में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

20

उपरोक्त केस स्टडी कापीस्थल पर महिलाओं
की सुरक्षा तथा सहजता से संबंधित है जिसमें
नैतिक दुविधा का पक्ष भी शामिल है।



(a) रीना के सामने नैतिक दुविधाएँ

i) प्रबंधक से अपनी सहजता के विषय में बात करे या चुप रहे क्योंकि VP ने उसके साथ कुछ गलत व्यवहार नहीं किया है।

- (ii) काम पर ध्यान दें या प्रबंधक से
मिलकर अपनी समस्या का समाधान करें
- (iii) असहजता बनाम एकाग्रता
- (iv) गौणपूर्ण जीवन का माथेगा (An+21) बनाम
दूसरों का सम्मान
- (v) गौणीयता बनाम पारदर्शिता

[6] रीता के पास विकल्प व उनके गुण-दोष

विकल्प	गुण	दोष
1) कंपनी के प्रबंधक से बात करे कि वह VP के व्यवहार के कारण असहज महसूस कर रही है।	<ul style="list-style-type: none"> इससे उसकी असहजता कम होगी काम पर फोकस कर पायेगी। 	<ul style="list-style-type: none"> इससे VP की छवि खराब हो सकती है। रीता की नौकरी का ठुकरान

विवरण	गुण	दोष
<p>२. नौकरी से इस्तीफा दे दे क्योंकि उस माहौल में वह काम करने में असमर्थ है।</p>	<ul style="list-style-type: none"> • इससे उसकी असहजता दूर हो सकती है। • VP पर कोई दबाव नहीं 	<ul style="list-style-type: none"> • इससे उसे नौकरी से वंचित होना पड़ेगा। • को-इंटरन द्वारा शीता को सड़क की दुर्घटना से देखना
<p>३. इस विषय में पहले VP से स्वयं बातचीत करे और समाधान न होने पर प्रबंधक के सामने समस्या रखे</p>	<ul style="list-style-type: none"> • इससे वह एकाग्रता से काम कर पायेगी • को-इंटरन की सावधान बरतियोगी रही होगी • नौकरी की सुरक्षा बनी रहेगी 	<p>• इससे आविषय में VP के साथ संबंध खराब हो सकते हैं।</p>

C) रीता को अपनी कारिबारी के लिए विकल्प

③ को आधार बनाना चाहिये क्योंकि -

1) क्योंकि VP ने उसके साथ कोई गलत व्यवहार नहीं किया है तो पहले उससे बातचीत करके समस्याका समाधान निकालने का प्रयास

2) इससे बात नहीं फैलेगी व अनावश्यक रूप से रीता व VP की सामाजिक व मनोवैज्ञानिक दृष्टि भी खराब नहीं होगी।

3) आविष्प में यदि इससे कोई समाधान प्राप्त नहीं होता है तो उसे कंपनी के प्रबंधक के साथ बातचीत करना चाहिए।

कहते हैं कि "बात

करने से ही बात बनती है" इसलिए आविष्पक है

कि पहले बातों के माध्यम से समाधान निकालने की कोशिश करें।

9.

आपको हाल ही में एक ऐसे जिले में नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है, जहां परीक्षाओं में सामूहिक नकल एक नियमित घटना है। मीडिया रिपोर्ट्स में जिले में माध्यमिक विद्यालय की परीक्षा दे रहे छात्रों को उत्तर चिट देने के लिए माता-पिता और रिश्तेदारों को स्कूल की दीवारों एवं इमारतों को फांदते हुए दिखाया गया है। इसके अलावा, नए तकनीकी उपकरणों के आगमन के साथ, परीक्षाओं में नकल करना और अधिक परिष्कृत हो गया है एवं परीक्षा नियमों का खुले तौर पर उल्लंघन किया जा रहा है। जांच करने पर, यह पता चला है कि ये रैकेट कई स्कूल अधिकारियों द्वारा चलाए जाते हैं, जिनमें परीक्षा पर्यवेक्षक भी शामिल हैं, जो मुख्य रूप से शिक्षक हैं और वे मुनाफे के लिए एक-दूसरे से मिले हुए हैं। कर्मचारियों की कमी के कारण, पर्यवेक्षक कोई कार्रवाई किए जाने पर सामूहिक हड़ताल पर जाने की धमकी देते हैं। परीक्षाएं आयोजित करना, नकल के कारण उन्हें रद्द करना और पुनः परीक्षाएं कराना सरकार के लिए समय और धन की हानि है तथा यह दुष्चक्र चलता रहता है।

जिले के नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में, निम्नलिखित प्रश्नों का समाधान कीजिए:

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- प्रस्तुत प्रकरण में आप समस्याओं का समाधान कैसे करेंगे?
- विभिन्न परीक्षाओं में नकल के खतरे से निपटने के लिए क्या दीर्घकालिक रणनीति अपनाई जानी चाहिए?
(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have recently been posted as a Nodal Education Officer in one of the districts, where mass cheating in examinations is a regular phenomenon. Media reports have shown parents and relatives scaling school walls and buildings to pass answer chits to students taking secondary school examinations in the district. Moreover, with the advent of new technological devices, cheating in examinations has become more sophisticated and exam rules are flouted openly. On investigation, it has come to your notice that these rackets are run by many school authorities, including exam invigilators who are mostly teachers, and they are hand in glove for profits. With a shortage of staff, invigilators threaten go on mass strikes if any action is taken. Conducting the exams, cancelling them on account of cheating and having re-exams are a loss of time and money for the government and this vicious cycle goes on.

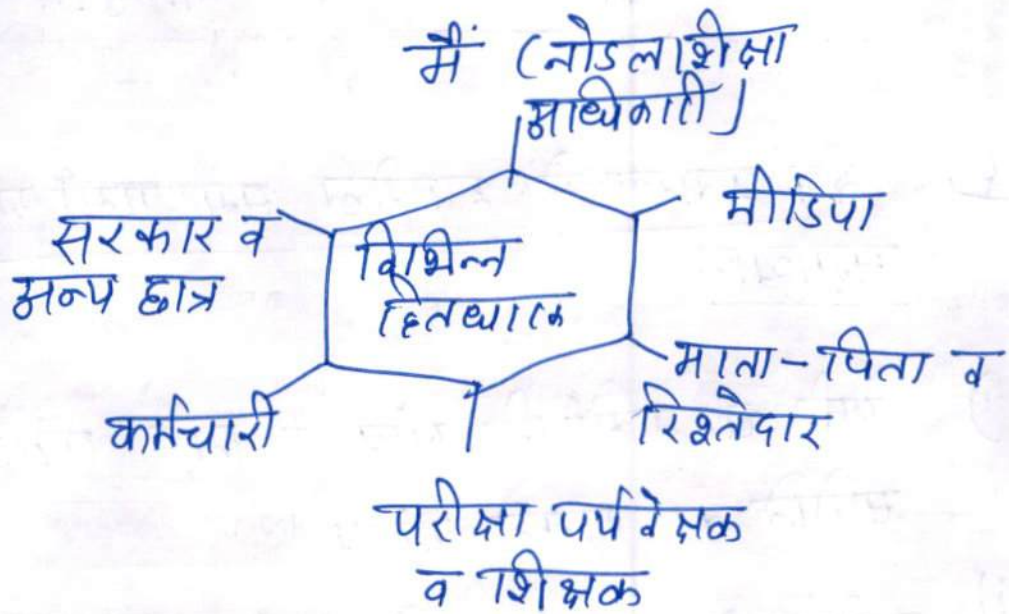
As the Nodal Education Officer of the district, address the following questions:

- What are the ethical issues involved in the above case?
- How will you resolve the issues in the given case?
- What long-term strategy needs to be adopted to deal with the menace of cheating in various examinations? (Answer in 250 words)

20

उपरोक्त केस स्टडी परीक्षाओं में नकल के
मुद्दे पर आधारित है। हाल ही में बिहार
के स्कूल में नकल की घटना सामने आई
थी। तथा NEET में १४ परीक्षार्थियों को नकल

करते पकड़ा गया था।



व) उपर्युक्त प्रकारण में शामिल नैतिक मुद्दे

- i) परीक्षाओं में नकल की प्रक्रिया
- ii) परीक्षा पर्यवेक्षकों, कर्मचारियों, माता-पिता आदि का अनैतिक प्रथाओं में सेलिप्त होना
- iii) सरकार पर ^{युनः} परीक्षा कराने का दबाव
- iv) युनः परीक्षा के कारण धन व संसाधनों का वृकसान

(v) मैदानी छात्रों के भाविष्य का मुद्दा

[6] इस प्रकरण में शामिल समस्याओं का समाधान

i) ऐसी घटनाओं की जांच के लिए जांच समिति का गठन करेगा।

ii) परीक्षा में नकल कराने में शामिल परीक्षकों व शिक्षकों को लिखित नोटिस देकर स्पष्टीकरण मांगना।

iii) मीडिया, स्थानीय लोगों आदि के सहयोग से मामले को उच्च स्तर के अधिकारियों की नजर में लाना

iv) नकल रोकने हेतु प्रभावी कदम

परीक्षा के पैटर्न में बदलाव

समाज में जागरूकता निर्माण

सभी हितधारकों से संपर्क करना

v) सामूहिक दंडताल की चिंता बिप्रे बगैर मीडिया व मन्त्र विधायकों के सहयोग से मामले पर उचित कार्यवाही

c) परीक्षाओं में नकल को रोकने के लिए दीर्घकालिक रणनीति -

(i) परीक्षाओं के पैटर्न में बदलाव

जैसे वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को बरीपता देना

(ii) तकनीक के प्रयोग को सुनिश्चित करना

जैसे - सेंट्रों पर CCTV निगरानी व उसकी

लाइव प्रसारण

(iii) नकल रोधी मापों का गठन जिसका

कार्य विभिन्न सेंट्रों पर जाकर छात्रों की

तलाशी लेना है।

iv) नकल में पकड जाने पर सबत फंड का प्रावधान करना

जैसे - हमेशा के लिए परीक्षा से वींचित करण

v) जो भी माधिकाती नकल की प्रक्रिया में शामिल हैं उन्हें डिस्कलिस्ट करना व परीक्षा इधुली में शामिल न करना।

इस प्रकार स्थानीय जनता, मीडिया व सभी हितधारकों के सहयोग से नकल विहीन परीक्षा प्रणाली की स्थापना कइंगा।

10.

गहरे समुद्र में ड्रिलिंग के अनेक समर्थकों का तर्क है कि हिंद महासागर से बड़ी मात्रा में दुर्लभ-भू धातुओं के दोहन से भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को बढ़ावा देने, इसकी अर्थव्यवस्था और कार्यबल को मजबूत करने एवं रणनीतिक खनिजों की भरोसेमंद आपूर्ति प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार ने समुद्र तल से 6,000 मीटर की गहराई में हिंद महासागर के तल से निकेल, कोबाल्ट, मैंगनीज और आयरन हाइड्रॉक्साइड के खनन की विधियों का अध्ययन करने के लिए 540 मिलियन डॉलर के एक कार्यक्रम को मंजूरी दी है। सरकार का तर्क है कि यह परियोजना 100 वर्षों तक भारत की संवृद्धि को शक्ति प्रदान कर सकती है। यह जलवायु परिवर्तन का भी अध्ययन करेगा, समुद्री वनस्पतियों और जीवों का पता लगाएगा एवं तापीय ऊर्जा का उपयोग करेगा।

हालांकि, एक प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण का आरोप है कि गहरे समुद्र में ड्रिलिंग से पर्यावरण को अत्यधिक खतरा है। स्वतंत्र भूवैज्ञानिकों द्वारा संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था पर एक व्यापक रिपोर्ट में कहा गया है कि "जब तक गहरे समुद्र में खनन की आवश्यकता और इसके संभावित परिणामों को बेहतर ढंग से नहीं समझा जाता है, तब तक इस अवधारणा को एक संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था की परिभाषा के साथ संरेखित करना वैचारिक रूप से कठिन है। इसके अलावा यह विभिन्न पर्यावरणीय, कानूनी और शासन संबंधी चुनौतियों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के संधारणीय विकास लक्ष्यों के साथ संभावित टकराव के मुद्दों को भी उत्पन्न करता है।"

यह इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि सरकारी समर्थन या तुलनात्मक रूप से कम करों के बिना, राष्ट्रीय खनन कार्यों की लाभप्रदता संदिग्ध बनी हुई है। यदि परिचालन लाभदायक होता है, तो यह मानवता की साझी विरासत से प्राप्त संसाधन से होने वाले लाभ के न्यायसंगत बंटवारे के बारे में भी प्रश्न उठाएगा।

इसके अतिरिक्त, BMW, वोल्वो, गूगल और कोरियाई बैटरी निर्माता सैमसंग SDI जैसी कंपनियों ने एक बयान में गहरे समुद्र में खनन से उत्पन्न धातुओं को तब तक नहीं खरीदने की प्रतिबद्धता प्रकट की है, जब तक कि इस गतिविधि के पर्यावरणीय जोखिमों को "व्यापक रूप से समझा नहीं जाता" है।

उपर्युक्त जानकारी के संदर्भ में, निम्नलिखित पर ध्यान दीजिए:

- प्रस्तुत प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- महासागरों की संधारणीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास के दृष्टिकोण को कैसे प्राप्त किया जा सकता है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Many proponents of deep-sea drilling argue that tapping into the vast amount of rare earth elements in the Indian Ocean will help shore up national security interests for India, bolster its economy and workforce, and offer a reliable supply of strategic minerals. Keeping this in mind, the government has approved a \$540-million programme to study ways of mining nickel, cobalt, manganese and iron hydroxide from the bed of the Indian Ocean 6,000 meters below sea level. The government argues that the project can power India's growth for 100 years. It will also study climate change, explore marine flora and fauna and harness thermal energy.

However, a competing point of view alleges that deep ocean drilling poses immense risk to the environment. A comprehensive report on Sustainable Ocean Economy by independent geologists states that "until the need for, and potential consequences of, deep-sea mining are better understood, the concept is conceptually difficult to align with the definition of a sustainable ocean economy and raises various environmental, legal and governance challenges, as well as possible conflicts with the UN Sustainable Development Goals."

It also highlights that the profitability of national mining operations, without governmental support or comparably low taxes, remains questionable. If the operations are profitable, it will also raise questions about the equitable sharing of profits derived from a resource taken out of humanity's common heritage.

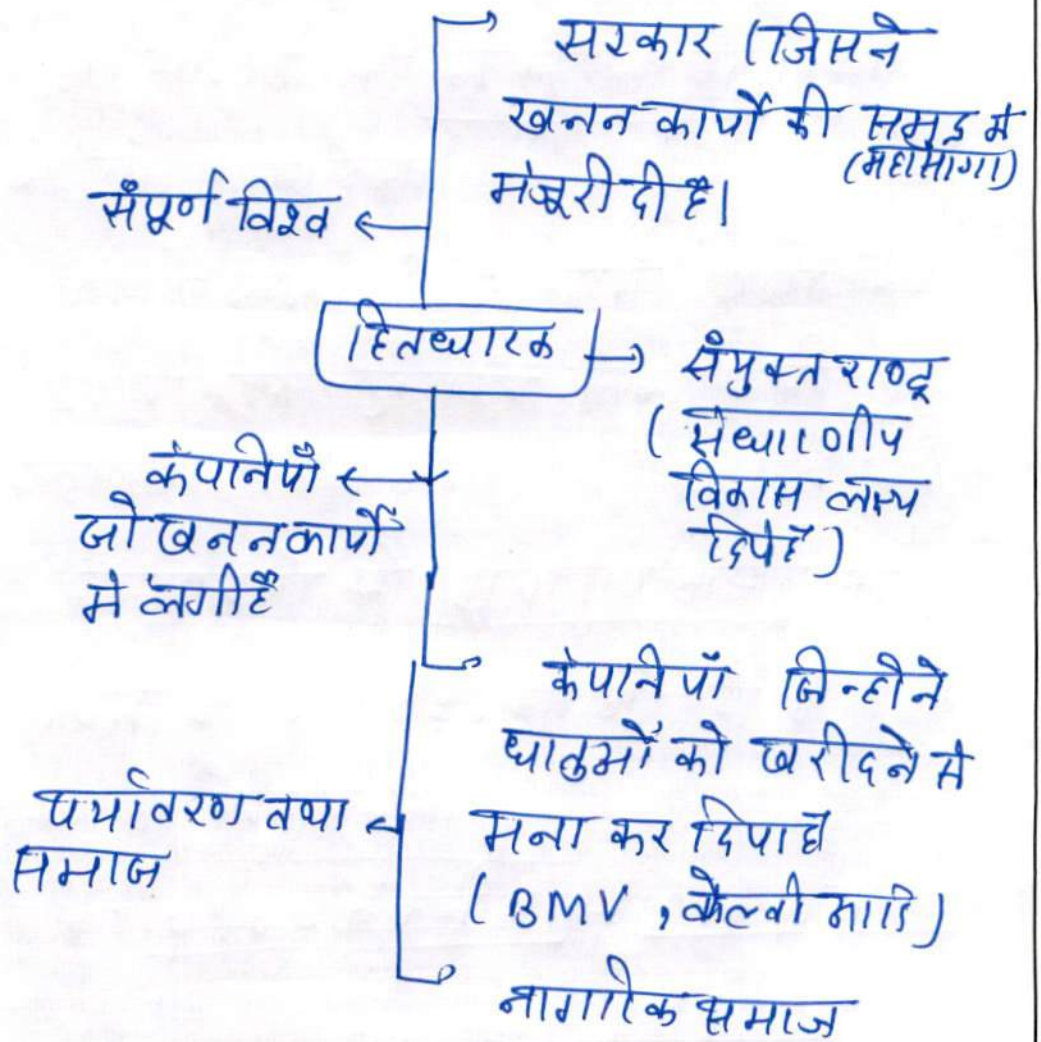
Additionally, companies like BMW, Volvo, Google and Korean battery maker Samsung SDI, vowed in a statement to not buy metals produced from deep-sea mining until the environmental risks of the activity are "comprehensively understood."

उम्मीदवारों को इस एग्जाम में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

In the context of the above-stated information, address the following:

- (a) What are the ethical issues in the given case study?
(b) How can the vision of economic development of a nation be achieved without adversely affecting the sustainability of oceans? (Answer in 250 words) 20

उपरोक्त केस स्टडी डीप मीनरींग मिशन जैसी
प्रोजनाओं के पर्यावरणीय परिणामों पर आधारित
हैं।



क वस प्रकण में शामिल मुद्दे

- 1) आर्थिक लाभ बनाम पर्यावरणीय हित
- 2) स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार (अनु०.21)
- 3) महासागरीय पारितंत्र की रक्षा करना
- 4) खनन कार्यों की पर्यावरणीय, कानूनी व शासन संबंधी चुनौतियाँ
- 5) मानवता के अधिकार पर संकट
- 6) जैव विविधता का ह्रास (जैसे- कोरल भित्ति समाप्त, प्रवाल विरंजन)
- 7) कंपनियों द्वारा खनन धातुओं को स्पष्ट रणनीति के बिना खरीदने से मना करना

ब महासागरों की संवर्धनीयता पर प्रतिबन्ध
प्रभाव डाले बिना आर्थिक विकास है।

तात्कालिक कदम (रुणनीति)

- 1) ऐसे मिशनों व प्रोजेकनरों का परिवरण
प्रभाव मूंकलन (EIA) सुनिश्चित करना
- 2) महासागरों की नीली अर्थव्यवस्था
की प्रोत्साहन देना
- 3) समुद्री वनस्पतियों, जीवों आदि के
प्रयोग द्वारा आर्थिक विकास की
संभावनाएँ तलाशना
- 4) महासागरों की भूतापीय अर्जा का
अपनी अर्जा आवश्यकताओं की धरति के
लिए उपयोग करना
जैसे - OTEC तकनीक - Ocean Thermal
Energy Converter

दीर्घकालिक रुणनीति

- i) वैज्ञानिक अनुसंधान व R&D पर निवेश
बढाना
- ii) निजी क्षेत्र के सहयोग से पर्यावरण केन्द्रित
पोजनाएँ बनाना
- iii) संयुक्त राष्ट्र के संघ्याणीय विकास लक्ष्यों
के मनुकूल नीतियाँ बनाना
- iv) भारत सरकार के परामों जैस - डीप ओशीफन
मिशन आदि को मंतरन्दीप सहयोग के माध्यम
से आगे बढाना

निष्कर्षतः पर्यावरणीय

समस्याओं का समाधान तभी हो सकता है
जब हम पर्यावरण को एक हितधारक मानें
तभी स्वतंत्र व समावेशी विकास का लक्ष्य प्राप्त
किया जा सकता है।

11. श्री वाई ने अपने समुदाय के सदस्यों द्वारा धार्मिक पूजा स्थल के निर्माण हेतु जंगल की तलहटी में स्थित एक शहर में 40 एकड़ जमीन खरीदी। पूजा स्थल की योजना में अनेक परस्पर जुड़ी इमारतों, बालकनियों और पानी के फव्वारों का निर्माण किया जाना था। पूजा का केंद्र होने के अलावा, इस स्थान का उद्देश्य दूर-दूर से आने वाले कई उपासकों के लिए आवास प्रदान करना है। योजना को देखने वाला हर कोई इस बात पर सहमत है कि संरचना असाधारण रूप से सुंदर साबित होगी। विडंबना यह है कि इस स्थल की सुंदरता क्षेत्र के स्थानीय निवासियों के बीच चिंता का मुख्य कारण बन गई है, जिनमें से एक बड़ा प्रतिशत एक अलग धार्मिक समुदाय से है। उनमें से कई लोगों का मानना है कि यह स्थान पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन सकता है, जिससे यातायात की समस्याएं पैदा हो सकती हैं और उनके पड़ोस की शांत जीवन शैली खराब हो सकती है। कम-से-कम, हजारों उपासकों के नियमित रूप से इस स्थान पर आने की उम्मीद है।

कई निवासी सोचते हैं कि उनका पड़ोस न तो इस आकार के परिसर के निर्माण और न ही इतने लोगों, जितनों को समायोजित करने की अपेक्षा की गई है, के लिए यह उपयुक्त है। यहां 1,500 लोगों तक के इकट्ठा होने की अपेक्षा की गई है, हालांकि साइट तक केवल एक दो लेन की सड़क उपलब्ध है। विरोधियों का तर्क है कि इतने ट्रैफिक से आवागमन में समस्याएं पैदा होंगी और बच्चों एवं साइकिल चालकों द्वारा यात्रा के लिए अत्यधिक प्रयोग की जाने वाली सड़कों पर खतरे पैदा होंगे। बढ़ते ट्रैफिक से पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

इस बीच अन्य लोग इस विरोध के पीछे एक और अधिक घातक कारण देते हैं: पूर्वाग्रह। उन्हें आश्चर्य है कि क्या पूजा स्थल पर आपत्ति जताने वाले लोग धार्मिक पूर्वाग्रहों से प्रेरित हैं।

लेकिन निर्माण का विरोध करने वालों का कहना है कि धर्म का इससे कोई लेना-देना नहीं है और वे ऐसे किसी भी प्रकार के विकास का विरोध करते हैं जिससे क्षेत्र में ट्रैफिक जाम हो। अतः, इस मामले में उन्हें सिर्फ आकार और स्थान को लेकर समस्या है।

विरोध के जवाब में, शहर के योजनाकारों ने निवासियों को आश्वासन दिया है कि क्षेत्र के लिए उपयुक्त शहर निर्माण संबंधी सभी दिशा-निर्देशों और ज़ोनिंग नियमों का पालन किया जाएगा। इसलिए उन्हें निर्माण की योजना रोकने का कोई कारण नजर नहीं आता।

हालांकि, विरोधियों का आरोप है कि शहर के योजनाकार सही पर्यावरणीय प्रभाव रिपोर्ट तैयार करने में विफल रहे हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने उन निवासियों को ठीक से सूचित नहीं किया, जिनके प्रभावित होने की संभावना है, जबकि यह अभी भी योजना के शुरुआती, लचीले चरणों में है।

(a) आप एक जिला मजिस्ट्रेट हैं और यह क्षेत्र आपके क्षेत्राधिकार में आता है। दोनों पक्षों के लोग अपनी शिकायतें लेकर आपके पास आए हैं। आप दोनों दृष्टिकोणों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए क्या करेंगे?

(b) कार्रवाई के निम्नलिखित संभावित तरीकों के गुण और दोषों का उल्लेख कीजिए:

- (1) क्षेत्र के निवासियों के विरोध को नजरअंदाज करना और धार्मिक पूजा स्थल को मौजूदा नियमों के अनुसार बनाने की अनुमति दे देना।
- (2) नए पूजा स्थल पर भरोसा करने वाले हजारों उपासकों को निराश करते हुए, निवासियों से सहमत होकर निर्माण पर रोक लगा देना।
- (3) एक समझौते के रूप में, आपके द्वारा पूजा स्थल पर भवन निर्माण संबंधी अतिरिक्त नियमों को लागू किया जाना या डिजाइन में संशोधन पर बल दिया जाना। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mr. Y. purchased 40 acres of land in a city located in the forested foothill for the construction of a place of religious worship by members of his community. The plans for the worship place called for numerous interconnected buildings, balconies, and water fountains. In addition to being a centre for worship, the place is intended to provide a residence for many worshippers who travel from far-off locations. Everyone looking at the plan agrees that the structure should prove to be extraordinarily beautiful. Ironically, the beauty of the site has become a chief cause for concern among the local residents of the area, a significant percentage of whom belong to a different

religious community. Many of them believe that the place may become a tourist attraction, causing traffic problems and the degradation of the tranquil lifestyle of their neighbourhood. At the least, thousands of worshippers are expected to visit the place regularly.

Many residents think their neighbourhood is not suitable for a facility of this size, nor for the number of people it is expected to accommodate. The congregation plans to have gatherings of up to 1,500 people, though only a single two-lane road approaches the site. The traffic, opponents argue, will cause commuting problems and introduce hazards on roads frequented by children and bicyclists. Increased traffic could also have an adverse impact on the environment.

Meanwhile others see a more insidious reason behind the opposition: prejudice. They wonder if those who object to the worship place are motivated by religious biases.

But those who oppose the construction insist that religion has nothing to do with it and they are opposed to any type of development that would lead to traffic congestion in the area. So, they just have an issue with the size and location in this case.

In answer to the opposition, city planners have assured the residents that all of the city's guidelines and zoning regulations relevant to the area will be followed. They see no reason to stop the plan of construction.

However, the opponents allege that the city planners have failed to prepare an adequate environmental impact report and, more importantly, did not properly notify residents, who are likely to be affected, while it was still in its nascent, flexible stages of planning.

- (a) You are a District Magistrate and the area lies in your jurisdiction. People from both sides have approached you with their grievances. What would you do to reconcile the two points of view?
- (b) Mention the merits and demerits of the following potential courses of action:
- (1) Ignore the opposition from the residents of the area and allow the place of religious worship to be built in accordance with the existing regulations.
 - (2) Prohibit the construction, agreeing with the residents while causing distress among the thousands of worshippers counting on the new place of worship.
 - (3) As a compromise, you place additional building regulations on the worship place or insist on modifications to the design. (Answer in 250 words)
- 20

उपरोक्त केस हटडी धार्मिक विश्वास बनाम
पर्यावरण संतुलन जैसी नैतिक दुविधा पर
साधारित है जिसमें धर्म को सुदृढ़ बिन्दु के
रूप में शामिल किया गया है।
समाज श्री Y (जि-दोने जमीन छरीदी)
में (जिला
मजिस्ट्रेट)
पर्यावरण
शामिल
हितधारक
स्थानीय निवासी
व्या पर्यटक
दोनों धार्मिक समुदाय

9) दोनों पक्षों या दार्ष्टिकोणों में सामंजस्य
स्थापित करने के लिए मेरे प्रयास -

डोनेपल गोलमैन की भावनात्मक कूटनीति
के अनुसार निम्न कार्य कहूंगा-

- 1) सर्वप्रथम दोनों पक्षों की शिकायतों को
दृष्टान्त से सुनूंगा।
- 2) दोनों समुदायों के हितों का सम्मान
करते हुए सभी हितधारकों के साथ संवाद
स्थापित करूंगा।
- 3) पूजा स्थल पर निर्माण कार्य हेतु आवश्यक
जरूरी संशोधनों जैसे - परिवारगीय प्रभाव
मौकलन के द्वारा इससे समुदाय के हितों की रक्षा
- 4) पहले समुदाय से पूजा स्थल निर्माण हेतु
आवश्यक गाइडलाइन्स का पालन कानि हेतु लिखित
स्पष्टीकरण मांगूंगा।

5) इस प्रकार दोनों समुदायों के हितों को साधने का प्रयास करेगा।

6) विकल्पों के गुण व दोष

1) क्षेत्र के निवासियों व विरोध की जाभांदाज व पूजा स्थल को बनाने की अनुमति देना

गुण

- इससे धार्मिक समुदाय की धार्मिक भावनाएँ बनी रहेगी
- इस स्थान पर पर्यटन व शोभागा के अवसर सृजित

दोष

- सांप्रदायिक माहौल बिकस सकता है
- विरोध प्रदर्शन
- पर्यावरण व स्थानीय निवासियों पर प्रभाव

2) पूजा स्थल निर्माण पर ठीक लगाना

गुण

- इससे पर्यावरणीय संतुलन बना रहेगा
- बाहरी पर्यटकों का दबाव नहीं
- स्थानीय जीवन सुलभ

दोष

- इससे समुदाय की धार्मिक भावनाएँ माहूल
- "सांप्रदायिक दंगों की संभावना
- पर्यटन व

रौजगार के अवसरों

पर मंछुश लम जापेम्मा

(3) समझाते के रूप में पूजा स्थल पर भवन
निर्माण अतीवत निर्माण को लागू करना व डिजास
में सेशोधन

गुण

- वससे दोनों धार्मिक समूहों के हित सुपासेत
- अविषय में दोनों समूहों के बीच तनाव होने की संभावना में रुमी
- पर्यटन व रोजगार के अवसर सृजित

दोष

- वससे पूजास्थल निर्माण में देरी हो सकती है
- शुभभात में विरोध का सामना करना पड़ सकता है

निष्कर्षतः, धार्मिक

भावनाओं तथा पर्यावलीय स्थिरता को
संतुलित कके ही कल्पाणकारी राज्य की
स्यपना की जा सकती है

12.

आप एक ऐसे राजनीतिक दल के टिकट पर चुने गए जनप्रतिनिधि हैं, जिन्हें कई लोग रूढ़िवादी मानते हैं। आपकी बेटी, जो वर्षों बाद विदेश से पढ़ाई करके लौटी है, ने आपको दूसरे समुदाय के व्यक्ति से शादी करने की अपनी इच्छा से अवगत कराया है। आप व्यक्तिगत रूप से उसकी पसंद में कुछ भी गलत नहीं मानते हैं और उसे अपनी सहमति से अवगत कराते हैं। आप अपने कई दोस्तों और परिवार वालों से भी इस बारे में चर्चा करते हैं और उन्हें बताते हैं कि आप अपनी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की योजना बना रहे हैं। हालांकि, आपके द्वारा आगामी भव्य शादी की खबर कई लोगों के साथ साझा करने के कुछ दिनों बाद, आपके राजनीतिक सचिव ने इसे एक मुद्दा बनाए जाने के बारे में सूचित किया है। वह आपको सूचित करता है कि आपके निर्वाचन क्षेत्र में कई लोगों के बीच इस बारे में कानाफूसी हो रही है और कुछ प्रमुख नागरिकों के बीच बेचैनी की भावना के संकेत हैं। हालांकि, उनमें से अधिकांश आपकी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की आपकी योजना से मंत्रमुग्ध हैं, किंतु वे दूल्हे के दूसरे समुदाय से होने के कारण नाखुश हैं। आपको पार्टी में अपने सूत्रों से यह भी पता चल रहा है कि दूल्हे की पसंद पर आपकी सहमति से आगामी चुनाव में हाईकमान आपको टिकट देने से इनकार कर सकता है। आप न केवल एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ और अपनी राजनीतिक पार्टी के एक उभरते सितारे हैं, बल्कि एक खुले विचारों वाले, प्यारे और स्नेही पिता भी हैं। लेकिन आप अपनी बेटी की आजादी और पसंद से कितना भी प्यार करते हों, आप नहीं चाहेंगे कि उसके फैसले का आपकी राजनीतिक यात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। यह तब और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, जब आप एक राजनेता के रूप में अपनी वर्षों की कड़ी मेहनत को देखते हुए, बड़ी जिम्मेदारियों और पार्टी में एक ऊंचे कद की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे। दूसरी ओर, आपकी बेटी अपनी पसंद पर दृढ़ है और नहीं चाहती कि उसकी होने वाली भव्य शादी किसी भी तरह से प्रभावित हो। वह इस बात पर अड़ी हुई है कि उसकी शादी केवल करीबी दोस्तों और परिवार के साथ एक निजी समारोह के रूप में आयोजित नहीं की जाएगी, बल्कि इसे भव्य तरीके से प्रचारित किया जाना चाहिए, जैसा कि आपने उससे पहले वादा किया था।

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- एक पिता और एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ के रूप में आपके पास उपलब्ध विभिन्न विकल्प क्या हैं?
- आपकी कार्रवाई का तरीका क्या होगा? उचित तर्क सहित पुष्टि कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a public representative, elected on the ticket of a political party, considered as conservative by many. Your daughter, who has returned years after studying abroad, has conveyed to you her choice of marrying a person from another community. You personally do not consider anything wrong in her choice, and convey your assent to her. You also discuss it with many among your friends and family, and inform them of a grand wedding ceremony you are planning for your daughter. However, a few days after you have shared the news of the forthcoming grand wedding with many, you are informed by your political secretary about an issue being made of the same. He informs you that there are whispers among many people in your constituency about it, and indications of a sense of unease among some prominent citizens. While most of them are enamoured by your plans for a grand wedding ceremony for your daughter, they are unhappy about the bridegroom being from another community. You also get to know through your sources in the party, that your assent to the choice of the bridegroom may lead to a denial of ticket by the high command in the forthcoming elections. You are not only an ambitious politician and a rising star in your political party but also an open-minded, loving and doting father. But howsoever much you love your daughter's freedom and choices, you do not want her decision to adversely affect your political journey. This is more so, when you had been eagerly looking forward to greater responsibilities and a higher stature in the party, given the years of hardwork you have put in, as a politician. Your daughter, on the other hand, is firm with her choice and does not want her impending grand wedding to be affected in any way. She is adamant

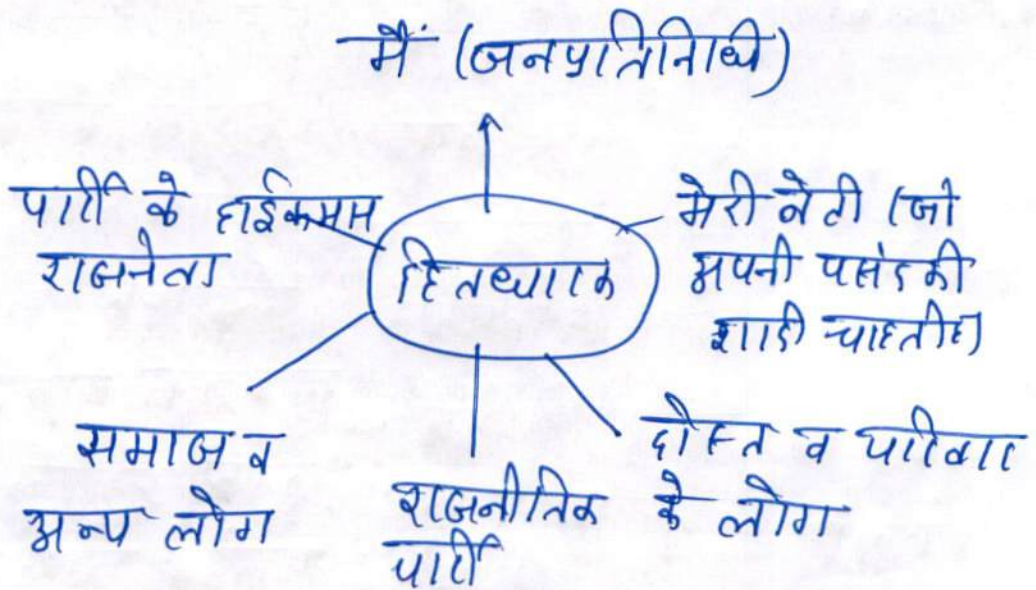
that her wedding will not be held as a private ceremony with only close friends and family, but should be publicised in a grand way, as you had promised earlier to her.

Given this situation, answer the following:

- (a) What are the ethical issues in the above situation?
 (b) What are the various options that you have, as a father and an ambitious politician?
 (c) What will be your course of action? Justify with proper reasoning. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हार्दिक में नहीं लिखना चाहिए
 Candidate must not write on this margin

उपरोक्त केस स्टडी नैतिक दुविधा राजनीतिक पद बनाम पिता का दायित्व सफलतापूर्वक निष्पत्ति के मुद्दे पर आधारित है। साथ ही इसमें राजनीतिक बनाम पारिवारिक जीवन को भी दिखाया गया है।



(a) उपरोक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे

(i) बेटी को अपनी पसंद से शादी करने का

भाषिकर (हाफिया 00e (2018)) व अनु० 21)

- ② राजनीतिक जीवन व पारिवारिक जीवन में संतुलन बनाना
 - ③ राजनेता के पद पर पहुँचने की माकाँसा
 - ④ राजनीतिक दलों की रूढ़िवादिता
(सात्रिगत रूढ़िवादिता)
 - ⑤ समाज में प्रचलित रूढ़िवादी विश्वास व परंपराएँ
- ⑥ एक पिता और महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ के रूप में मैंने पास उपलब्ध विकल्प

विकल्प	गुण	दोष
1) अपनी राजनीतिज्ञ माकाँसा को अधिक महत्त्व देना तथा बेली की शादी को कंसिल करना	इससे अविषय में मैं एक सफल राजनीतिज्ञ बन सकता हूँ।	• बेली नाखुश • पारिवारिक जीवन में असंतुष्टि • सत्पनि 081 का पालन नहीं

विकल्प	गुण	दोष
<p>② राजनेता बनने की परवाह किए बिना बेटी के भ्रष्ट विवाह का आयोजन करना</p>	<ul style="list-style-type: none"> • इससे बेटी की शादी उसकी इच्छानुसार • पारिवारिक जीवन व पिता का दायित्व पूरा करने में पुरी 	<ul style="list-style-type: none"> • इसी भ्रष्ट में पारि का रिक्त नहीं मिल सकता है • राजनेता बनने की आकांक्षामयूरी
<p>③ पारि के बरिष्ठ लोगों से बातचीत करना तथा उन्हें कूटवादी विचारधारा को छोड़कर विवाह में आने के लिए आमंत्रित करना</p>	<ul style="list-style-type: none"> • इससे ही सकता है पारि मेरी बात में सहमत हो जाए • बेटी की शादी व्युमधाम से होगी 	<ul style="list-style-type: none"> • भ्रष्ट पारि रिक्त से रूकाएट सकती है
<p>④ पारि की सदस्यता को छोड़ देना लेकिन अपने मूल्यों में समझौते की</p>	<ul style="list-style-type: none"> • इससे बेटी की शादी व्युमधाम से 	<ul style="list-style-type: none"> • माप का समाज से कटिबना • राजनेता नहीं बन पायेगी

(c) मेरी कार्यवाही का तरीका -

डिम्पल गोलमैन की भावनात्मक बुद्धिमत्ता के

मनुसार विकल्प ③ के मनुसार कार्यवाही करूँगा -
क्योंकि

- 1) राजनीतिक पार्टी के वरिष्ठों से बात करने से पार्टी में विषमता खड़ेवादिता को कम किया जा सकता है।
- 2) मैं पार्टी को आश्वासन दिलाऊँगा कि इस कार्यवाही से इस पार्टी के जीवने की संभावना बढ़ेगी (इस शादी को चुनाव में माँडल के रूप में प्रस्तुत करने से)
- 3) इस प्रकार एक पिता व राजनीतिज्ञ के दोनों रूपों में अपनी जिम्मेदारी निभा पाऊँगा।

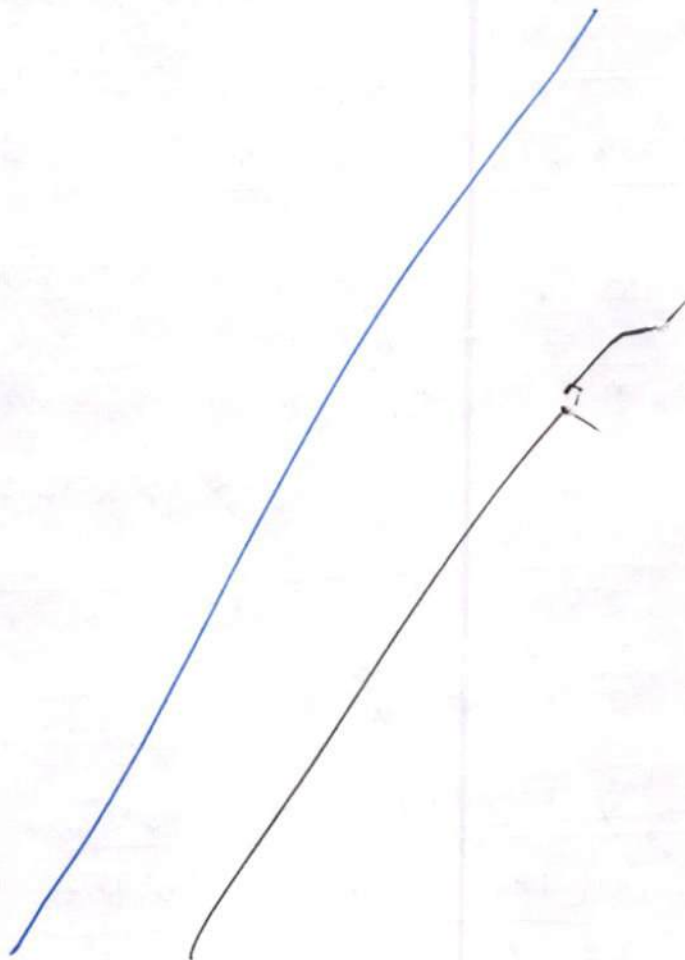
— निष्कर्ष: इस प्रकार

पार्टी की खड़ेवादिता समाप्त होगी तथा अधिक समावेशी सौच के कारण आगामी चुनावों में पार्टी का लाभ पहुँच सकता है।

SPACE FOR ROUGH WORK

[Faint, illegible handwritten text in Hindi, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

SPACE FOR ROUGH WORK



SPACE FOR ROUGH WORK

AL

